साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 46 | गोंदिया : गुरुवार, 24 से 30 जुन 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

जिलाधिकारी राजेश खवले के आव्हान पर संपूर्ण महाराष्ट्र से मिला प्रतिसाद

मोहारे परिवार को मिलेंगी प्रतिमाह १० हजार रुपये की मदद

गोंदिया – जिले के वरिष्ठ अधिकारी यदि सकारात्मक रुप से कार्य करने का निश्चय कर ले तो सफलता अवश्य मिलती है। इसी प्रकार का बेमिसाल उदाहरण गोंदिया के जिलाधिकारी राजेश खवले ने पेश किया है। पीड़ित परिवार की सहायता के लिए शासकीय के साथ ही निजी स्तर पर भी सहायता उपलब्ध करवाई। उनके आव्हान पर अन्य अधिकारी व नागरिक सहायता देने के लिए आगे आए। जिससे हिंदी फिल्म का यह गीत शत प्रतिशत सफल होता है कि साथी हाथ बढ़ाना, एक अकेला थक जाए तो, मिलकर बोझ उठाना, का उत्तम उदाहरण पेश किया है। गोंदिया जिले के सालेकसा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम मुंडीपार निवासी मोहारे परिवार के साथ चरितार्थ हुआ है।

१३ जून को मोहारे परिवार पर भारी विपदा आन पड़ी। जिसमें पत्नी व पुत्र की आकस्मिक मौत होने पर इसकी जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से सामने आने पर जिलाधिकारी के आव्हान पर पूरे महाराष्ट्र से प्रतिसाद मिलने के साथ ही जिले के अन्य अधिकारियों व नागरिकों द्वारा सहयोग के लिए सामने आए तथा परिवार को १० हजार रुपये प्रतिमाह की मदद देने का कार्य शुरु किया।

गौरतलब है कि मोहारे परिवार के परिवार प्रमुख दिलीप मोहारे कृषि कार्य में फवारणी करते हुए दिव्यांग हो गए थे। जिसके चलते उनकी पत्नी सतवनबाई परिवार उधर निर्वाह का भार उठा रही थी। लेकिन दुर्भाग्य से १३ जून की रात जहरीले सर्पदंश से सतवनबाई व उसके पुत्र दीपक मोहारे की मौत हो गई थी। जिसके चलते परिवार पर भारी संकट निर्माण हो गया। इसकी जानकारी जिलाधिकारी के सामने आने पर जिला प्रशासन के माध्यम से सहयोग करने का निश्चय किया तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों की सहायता से १० हजार रुपये प्रति माह की

आर्थिक मदद देने का वादा दिलीप मोहरे के परिवार से मुलाकात के दौरान शनिवार १९ जून को दी।

विशेष यह है कि जिलाधिकारी के आव्हान पर जिले के करीब ५० अधिकारियों ने पहल की। इतना ही नहीं संपूर्ण महाराष्ट्र से करीब १५० अधिकारियों द्वारा इस कार्य में सहायता देने के लिए आगे आए। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर परिवार के साथ चर्चा कर शासन की विभिन्न योजना व उसके लाभ एवं रोजगार निर्माण के लिए शासन की ओर से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का वादा किया। साथ ही उनकी दोनों पुत्री दिव्या व गायत्री के शिक्षा के संदर्भ में चर्चा की। उनकी शिक्षा पर आने वाला सभी खर्च भारतीय जैन संघटना पुणे के माध्यम से मिलने की जानकारी दी। राशन कार्ड, जाति प्रमाणपत्र, पेंशन योजना आदि की जानकारी देकर ग्रामवासियों से संवाद कर प्रशासन नागरिकों के साथ खड़ा है ऐसा आश्वासन देकर उन्हें दिलासा दी। इस अवसर पर जिले के अधिकारी, कर्मचारी तथा नेशन फर्स्ट व्हाट्सएप ग्रुप द्वारा राशन, कपड़े, फल, व्हीलचेयर तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं प्रदान की गई।

इस अवसर पर उपविभागीय अधिकारी विश्वास शिरसाट, तहसीलदार शरद कांबले, अधीक्षक प्रवीण जमधाडे, सहा. पोलीस निरीक्षक प्रमोदकुमार बघेले, जिल्हा आपत्ती व्यवस्थापन अधिकारी राजन चौबे, मंडळ अधिकारी अशोक लांजेवार, पटवारी रवि गुप्ता, नरेश तागडे, बीट जमादार लिल्हारे, सोनवाने, चुटे, महिला पोलीसकर्मी धार्मिक, राहुल बोरकर, सरपंच चैतलाल हटीले, ग्रा.स. प्रदीप मोहारे व गांव के नागरिक उपस्थित थे।

हंसना-रोना अभी सीखा भी ही नहीं और दो बालिकाएँ हो गई अनाथ

गोंदिया जिले की गोरेगांव तहसील के खाड़ीपार ग्राम पंचायत में आदिवासी परिवार की दो बहनें जिन्हें हंसना-रोना समझता भी नहीं और उनके माता-पिता की मृत्यु हो गई। परिवार में ८० वर्ष की उनकी नानी है, जिसके लिए स्वयं का पेट भरना मुश्किल काम है, ऐसे में दो छोटी बच्चियों का पालन-पोषण कैसे करेंगी? यही सोच-सोच कर उसके जीवन में अंधकार छा गया है। यदि समय रहते दानवीरों द्वारा मदद पहुंचायी गयी तो उनके जीवन में खुशियां आ सकती है।

खाड़ीपार ग्राम के सुरज मरस्कोल्हे (४०) को ४ वर्ष की वैष्णी व ३ वर्ष की आरती नामक दो बेटियां है। लेकिन एक वर्ष पूर्व मामूली बीमारी के चलते सुरज की मृत्यु ही हुई। उसके पश्चात ही मई २०२१ में उसकी पत्नी सीमा भी चल बसी। माता-पिता की मृत्यु होने से दोनों बहनें अनाथ हो गई। अभी वैष्णवी व आरती को हंसना-रोना-बोलना क्या होता है, इसकी भी समझ नहीं है। उनकी नानी ८० वर्ष की है। जिसकी आर्थिक हालत इतनी दयनीय है कि उसके लिए स्वयं का पेट भरना भी मुश्किल है। ऐसे में दोनों बच्चियों की परवरिश कैसे होगी? उपरोक्त हालात को देखते हुए समझा जा सकता है। दोनों बच्चियों की परिस्थिती शासन के सामने नहीं आने से पीड़ितों तक मदद नहीं पहुंच पाई है। समय रहते मदद नहीं मिली तो बच्चियों का जीवन अंधकारमय हो जाएगा।

जागते ही पकारती है मम्मी को

वैष्णवी व आरती जब सुबह नींद से उठती हैं, तो सबसे पहले उनकी जुबान पर मम्मी का नाम आता है। तब उनकी नानी उनका ध्यान भटकाने के लिए खिलौने या चॉकलेट देकर समझाती है। उन्हें यह तक पता नहीं कि उनके माता-पिता की मृत्यु हो गई है। मृत्यु क्या होती है इस शब्द से वे अंजान हैं?

आदिवासी विभाग के कर्मी करेंगे मदद

चार वर्ष की वैष्णवी व तीन वर्ष की आरती ये दोनों बच्चियां अनाथ हो चुकी है। इसकी जानकारी दैनिक भास्कर, आदिवासी विभाग के कर्मचारी शैलेष नंदेश्वर, सरपंच दिनेश टेकाम, उपसरपंच यशवंत कावडे के माध्यम से मिलते ही उन बच्चियों की परवरिश के लिए एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प तथा अन्य संस्था संचालकों से मदद करने की बातचीत शुरु कर दी गई है। जल्द ही मदद के हाथ बच्चियों तक पहुंच जाएंगे। शासन की जो भी योजनाएं हैं, प्रभावी रुप से उन तक पहुंचाई जाएगी। दानसूरों से आव्हान है कि बच्चियों के उज्वल भविष्य के लिए आगे आए।

–विकास राचेवार, प्रकल्प अधिकारी
आदिवासी विकास विभाग, देवरी

पाल चौक फुटपाथ पर फलों की दुकानें बन रही दुर्घटना का कारण

गोंदिया शहर में अतिक्रमण की समस्या खत्म होने का नाम ही नहीं लेती। कच्चे-पक्के अतिक्रमण तथा फुटपाथ पर छोटे व्यवसायियों द्वारा अतिक्रमण किए जाने के चलते मार्ग काफी सकरे हो गए हैं। जिसके चलते वाहन चालकों को काफी परेशानियां होने के साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित होती है। इसी प्रकार गोंदिया शहर के पाल चौक से एनएमडी कॉलेज तक जाने वाला मार्ग काफी सकरा है। पाल चौक के मोड़ पर प्रतिदिन फलों की बिक्री करने के लिए दुकान लगाने वालों द्वारा मार्ग पर ही दुकान लगाई जाती है। जिसके चलते हनुमान मंदिर के पास यातायात हमेशा बाधित होने के साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित होती है। उपरोक्त मार्ग का चौड़ाईकरण करने के साथ ही वर्तमान स्थिति में फुटपाथ के अतिक्रमण पर नियंत्रण करने की मांग परिसर के नागरिकों द्वारा की गई है।

विभिन्न मांगों को लेकर स्वास्थ्य परिचारिकाओं की सांकेतिक हड़ताल

२५ जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

महाराष्ट्र राज्य परिचारिका संघटन का आवाहन

गोंदिया – महाराष्ट्र राज्य अधिपरिचारिका संघटना द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर २१ जून को २ घंटों का सांकेतिक आंदोलन किया तथा २२ जून को भी २ घंटों का आंदोलन किया जाएगा तथा २३ व २४ जून को पूरे दिन की हड़ताल आयोजित की गई है। तथा इस दौरान सरकार द्वारा उनकी मांगे नहीं माने जाने पर २५ जून से अनिश्चितकालीन काम बंद आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी।

गौरतलब है कि शासकीय मेडिकल कॉलेज व चिकित्सालयों में कार्यरत अधिपरिचारिका द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर निरंतर शासन से मांग की जा रही है। लेकिन शासन द्वारा इस और अनदेखी किए जाने के चलते महाराष्ट्र राज्य अधिपरिचारिका संघटना द्वारा आंदोलन का रुख अपना लिया है।

जिसमें २१ व २२ जून को सुबह ८ से १० तक सांकेतिक काम बंद आंदोलन तथा २३ व २४ जून को पूरे दिन काम बंद आंदोलन किया जाएगा तथा इस दौरान उनकी मांगों पर शासन द्वारा सकारात्मक निर्णय नहीं लिए जाने के चलते २५ जून से अनिश्चितकालीन काम बंद आंदोलन की चेतावनी दी गई है। संघटना द्वारा अपनी विभिन्न मांगों जिसमें चिकित्सालयों में १०० प्रतिशत पद भर्ती तथा १०० प्रतिशत प्रमोशन देने, राज्य में केंद्र शासन के अनुसार नर्सिंग भत्ता दिए जाने, कोविड-१९ में ७ दिनों के कर्तव्य काल तथा ३ दिनों का अतिरिक्त अवकाश देने, अर्जित अवकाश को सुरक्षित रखने तथा इसे पुन: उपयोग की मंजूरी देने, केंद्र शासन के अनुसार पदनाम में बदल करने, संघटना के पदाधिकारियों पर नियमबाह्य निलंबन व कार्रवाई करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के सेवा प्रवेश के नियमों में बदलाव, कोरोना संक्रमण के चलते चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती होने के लिए विशेष अवकाश, परिचारिका से केवल मरीजों की सेवा का कार्य लिया जाए, कोरोना संक्रमण के दौरान मृत परिचारिका के परिवारों को ५० लाख रुपए का बीमा सुरक्षा तथा २००५ के पश्चात कार्य पर लगे परिचारिकाओं को पुरानी पेंशन लागू की जाए तथा सातवां वेतन आयोग की दूसरी व तीसरी किस्त तत्काल देने की मांगों को लेकर उपरोक्त आंदोलन किया गया जिसके चलते शासकीय मेडिकल कॉलेज में २१ जून को २ घंटे का सांकेतिक आंदोलन संघटना की गोंदिया जिला अध्यक्ष मीनाक्षी बिसेन, उपाध्यक्ष नीलम शुक्ला, सचिव देवेंद्र खंडारे, संतोषी, पूजा घासले, प्रीतम कुंठेवार अक्षय मोरे, कार्तिक कडव, मंगला कुरवडे, पायल उईके, सचिन गढ़गे, बैजनाथ तथा बड़ी संख्या में आंदोलन में परिचारिका शामिल हुए।

म्हसवाणी हत्याकांड के पांच आरोपी पुलिस हिरासत में

डुग्गीपार व लोकल क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई

गोंदिया – डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले म्हसवाणी निवासी खुमराज बलिराम रहांगडाले की १३ जून को हत्या की गई थी। इस मामले का डुग्गीपार पुलिस थाना व लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा खुलासा कर सुनियोजित हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को हिरासत में लिया। इस प्रकार की जानकारी १८ जून को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित पत्र परिषद में अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर द्वारा दी गई।

गौरतलब है कि म्हसवाणी निवासी खुमराज बलिराम राहंगडाले १३ जून को अपनी बीमार बेटी के लिए दवाई लेने दुपहिया वाहन से खोडसिवनी के लिए निकला था। जिसका शव मार्ग के किनारे दिखाई देने पर इसकी जानकारी डुग्गीपार पुलिस थाने को दी गई। जिसमें पुलिस द्वारा धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया। इस मामले में १४ जून को सड़क अर्जुनी के ग्रामीण चिकित्सालय के वैद्यकीय अधिकारी द्वारा शव का पोस्टमार्टम किए जाने पर कान व सिर के पास धारदार हथियार से वार किए जाने की पुष्टि की। जिसके पश्चात मृतक के भाई फरियादी उदयलाल बलिराम राहंगडाले व चिकित्सा अहवाल के आधार पर धारा ३०२ के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया। घटना आकस्मिक मौत न होकर हत्या का मामला होने से पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर घटनास्थल पर पहुंचकर निर्देश देते हुए आरोपियों को तलाशने की जिम्मेदारी डुग्गीपार पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम को दिया।

संयुक्त अभियान शुरु कर मामले की गहराई से जांच शुरु की गयी। जांच दल को मिली गुप्त जानकारी के आधार पर गर्रा रावनवाड़ी निवासी योगेश फागुलाल बोपचे (२७) को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने पर आरोपी द्वारा हत्या किए जाने की बात स्वीकार की गयी। उसने हत्या में अन्य साथी होने की जानकारी दी। जिसमें गोंदिया बजाज वार्ड मरघट रोड निवासी पोमेश पन्नालाल पटले (२५) व एक अन्य नाबालिक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी। जिसके पश्चात अन्य दो आरोपियों का नाम और सामने आया जिसमें बसंत नगर निवासी अंशुमन गोविंदा निमावत (२३) को पुलिस दल द्वारा भंडारा बस स्टैंड से हिरासत में लिया तथा अन्य आरोपी बसंत नगर गोंदिया निवासी गणेश बंडू येटरे (२०) को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। जिनसे पूछताछ किए जाने पर उन्होंने भी हत्या में शामिल होने की बात कबूल की। उपरोक्त हत्याकांड सुनियोजित तरीके से परिवारिक विवाद के चलते किए जाने की बात पुलिस को बताई। जिसमें तीन आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां उन्हें २२ जून तक पुलिस हिरासत में भेजा गया तथा अन्य दो आरोपियों को भी पुलिस द्वारा १८ जून को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, उपविभागीय पोलीस अधिकारी जालिंदर नालकुल के मार्गदर्शन में डुग्गीपार के पुलिस निरीक्षक सचिन वांगड़े, सहायक पुलिस निरीक्षक संजय पांडरे, पोहवा रविशंकर चौधरी, जगदेश्वर बिसेन, हरिश्चंद्र शेंडे, पोना सुरेश चंद्रिकापुरे, जगदीश मेश्राम, उत्तम दहीवले, झुमन वाढई, पोशि सुनील डहाके, मापोसी रागिनी निखारे, वाहन चालक हलामी वाठोरे तथा लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक बबन आव्हाड, सहायक पुलिस निरीक्षक शिंदे, सहायक फौजदार कापगते, बैस, पोहवा राजेंद्र मिश्रा, पोना तुरकर, बिसेन, शेख व अन्य कर्मचारियों द्वारा की गई।

संपादकिय

टीके पर नासमझी

सरकार ने अपनी तरफ से यह स्पष्टीकरण देकर अच्छा किया है कि भारत बायोटेक की कोवैक्सीन में नवजात बछड़ों का सीरम नहीं होता। सोशल मीडिया के जरिए फैली यह अफवाह महामारी की तीसरी लहर को रोकने के तमाम प्रयासों पर पानी फेर सकती है। हालांकि इसके मूल में आरटीआई के तहत पूछे गए सवाल से मिले जवाब को बताया जा रहा है, लेकिन इस जवाब को कांग्रेस के एक नेता ने जिस अंदाज में ट्वीट किया, उससे इस विवाद ने एक अलग ही रुप ले लिया। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद न केवल भारत बायोटेक और केंद्र सरकार की ओर से बल्कि ट्विटर पर सक्रिय जानकार लोगों की ओर से भी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश हुई। इससे यह साफ हुआ कि मामला आरटीआई के तहत हासिल किए गए जवाब का उतना नहीं, जितना उसे समझने में हुई चूक का है। वेरो सेल विकसित करने के लिए अगर बछड़े के सीरम का इस्तेमाल होता है तो इसका मतलब यह नहीं हुआ कि फाइनल प्रोडक्ट यानी वैक्सीन में भी यह सीरम होता है और न ही यह कि इसके लिए नवजात बछड़ों को मारा जाता है।

कोवैक्सीन पोलियो, रैबीज और इन्फ्लुएंजा के टीकों में भी इसका इस्तेमाल दुनिया भर में होता रहा है। मगर यहां मसला सिर्फ एक टेक्निकल मुद्दे को न समझने भर का नहीं, उसके राजनीतिक इस्तेमाल की मंशा का भी है। सेंट्रल ड्रग्स कंट्रोलर की ओर से मिले जवाब को ट्वीट करते हुए कांग्रेस नेता का यह कहना मायने रखता है कि मोदी सरकार ने कबूल किया है कि कोवैक्सीन में नवजात बछड़े का सीरम होता है... यह सूचना पहले ही सार्वजनिक की जानी चाहिए थी। जाहिर है, सरकार विरोधी तेवर के साथ ही इसमें धार्मिक भावनाओं को लाने की परोक्ष कोशिश भी है। ट्वीट के वायरल होने के पीछे इन दोनों कारकों की भी भूमिका रही है और इसी को रेखांकित करते हुए शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि जो वैज्ञानिक सोच और रिसर्च की जरुरत बताते रहते हैं, आज एक आरटीआई के आधार पर वैक्सीन में धार्मिकता के सवाल को लाकर लोगों में वैक्सीन संबंधी हिचक को बढ़ावा दे रहे हैं। अच्छी बात यह रही कि अपने एक नेता की ओर से किए गए इस ट्वीट को कांग्रेस ने भी ज्यादा तूल नहीं दिया। उसने खुद को इस विवाद से अलग रखा। सभी राजनीतिक दलों को समझना चाहिए कि वायरस के खिलाफ लड़ाई को किसी भी रुप में बाधित करना आत्मघाती होगा। खासकर मौजूदा दौर, जब दूसरी लहर उतार पर है और तीसरी लहर आने में थोड़ा वक्त है, हमारी तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम है। इसी अंतराल में टीकाकरण की प्रक्रिया को तेज करके हम तीसरी लहर के रुप में आने वाली विपदा को टाल सकते हैं। ऐसे में सबकी कोशिश टीकाकरण प्रक्रिया को यथासंभव तेज करने की ही होनी चाहिए।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष २१ जून को मनाया जाता है। यह दिन वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीर्घ जीवन प्रदान करता है। पहली बार यह दिवस २१ जून २०१५ को मनाया गया, जिसकी पहल भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नें २७ सितम्बर २०१४ को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण से की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि-

योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है। यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है। मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य है। विचार, संयम और पूर्ति प्रदान करने वाला है तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करने वाला है। यह व्यायाम के बारे में नहीं है, लेकिन अपने भीतर एकता की भावना, दुनिया और प्रकृति की खोज के विषय में है। हमारी बदलती जीवन-शैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता है। तो आयें एक अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस को गोद लेने की दिशा में काम करते हैं।

जिसके बाद २१ जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया या। ११ दिसम्बर २०१४ को संयुक्त राष्ट्र के १७७ सदस्यों द्वारा २१ जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। प्रधानमन्त्री मोदी के इस प्रस्ताव को ९० दिन के अन्दर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया, जो संयुक्त राष्ट्र संघ में किसी दिवस प्रस्ताव के लिए सबसे कम समय है।

उत्पत्ति :

औपचारिक व अनौपचारिक योग शिक्षकों और उत्साही लोगों के समूह ने २१ जून के अलावा अन्य तारीखों पर विश्व योग दिवस को विभिन्न कारणों के समर्थन में मनाया। दिसंबर २०११ में, अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी, ध्यान और योग गुरु श्री श्री रविशंकर और अन्य योग गुरुओं ने पुर्तगाली योग परिसंघ के न्रतिनिधि मण्डल का समर्थन किया और दुनिया को एक साथ योग दिवस के रुप में २१ जून को घोषित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र को सुझाव दिया।

भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद २७ सितंबर २०१४ को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्ताव को अमेरिका द्वारा मंजूरी दी, जिसके बाद सर्वप्रथम इसे २१ जून २०१५ को पूरे विश्व में विश्व योग दिवस के नाम से मनाया गया।

इसके पश्चात **योग : विश्व शान्ति के लिए एक विज्ञान** नामक सम्मेलन ४ से ५ दिसम्बर २०११ के बीच आयोजित किया गया। यह संयुक्त रुप से लिस्बन, पुर्तगाल के योग संघ, आर्ट ऑफ लिविंग फाउण्डेशन और SVYASA योग विश्वविद्यालय, बेंगलूर के द्वारा आयोजित किया गया। जगत गुरु अमृत सूर्यानन्द के अनुसार विश्व योग दिवस का विचार वैसे तो १० साल पहले आया था लेकिन, यह पहली बार था जब भारत की ओर से योग गुरु इतनी बड़ी संख्या में इस विचार को समर्थन दे रहे थे। उस दिन श्री श्री रवि शंकर के नेतृत्व में विश्व योग दिवस के रुप में २१ जून को संयुक्त राष्ट्र और यूनेस्को द्वारा घोषित करने के लिए हस्ताक्षर किए गए।

निम्नलिखित सदस्य उस सम्मेलन में उपस्थित थे : श्री श्री रवि शंकर, संस्थापक, आर्ट ऑफ लिविंगय, आदि चुन चुन गिरि मठ के श्री स्वामी बाल गंगाधरनाथय स्वामी पर्मात्मानन्द, हिन्दू धर्म आचार्य सभा के महासचिवय बीकेएस अयंगर, राममणि आयंगर मेमोरियल योग संस्थान, पुणेय स्वामी रामदेव, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार, डॉ.नागेन्द्र, विवेकानन्द योग विश्वविद्यालय, बंगलुरु, जगत गुरु अमृत सूर्यानन्द महा राज, पुर्तगाली योग परिसंघ के अध्यक्षय अवधूत गुरु दिलीपजी महाराज, विश्व योग समुदाय,

सुबोध तिवारी, कैवल्यधाम योग संस्थान के अध्यक्षय डॉ. डी.आर. कार्तिकेयन, कानून-मानव जिम्मेदारियों व कारपोरेट मामलों के सलाहकार और डॉ.रमेश बिजलानी, श्री अरबिन्दो आश्रम, नई दिल्ली।

संयुक्त राष्ट्र की घोषणा

इस पहल को कई वैश्विक नेताओं से समर्थन मिला। सबसे पहले, नेपाल के प्रधानमंत्री सुशील कोइराला ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्ताव का समर्थन किया। संयुक्त राज्य अमेरिका सहित १७७ से अधिक देशों, कनाडा, चीन और मिस्र आदि ने इसका समर्थन किया है। अभी तक हुए किसी भी संयुक्त राष्ट्र महासभा के संकल्प के लिए यह सह प्रायोजकों की सबसे अधिक संख्या है। ११ दिसंबर २०१४ को १९३ सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से **योग के अंतर्राष्ट्रीय दिवस** के रुप में २१ जून को मंजूरी दे दी गयी।

संयुक्त राष्ट्र के घोषणा करने के बाद, श्री श्री रविशंकर ने नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते है कहा-

किसी भी दर्शन, धर्म या संस्कृति के लिए राज्य के संरक्षण के बिना जीवित रहना बहुत मुश्किल है। योग लगभग एक अनाथ की तरह अब तक अस्तित्व में था। अब संयुक्त राष्ट्र द्वारा आधिकारिक मान्यता योग के लाभ को विश्वभर में फैलाएगी।

योग के महत्व पर बल देते हुए श्री श्री रवि शंकर ने कहा कि योग आप को फिर से एक बच्चे की तरह बना देता है, जहां योग और वेदांत है वहां, कोई कमी, अशुद्धता, अज्ञानता और अन्याय नहीं है। हमें हर किसी के दरवाजे तक योग को ले जा कर दुनिया को दुखों से मुक्त कराने की आवश्यकता है।

समारोह

भारतीय प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और गणमान्य लोगों सहित करीब ३६,००० लोगों ने २१ जून २०१५ को नई दिल्ली में पहले अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए ३५ मिनट तक २१ योग आसन (योग मुद्राओं) का प्रदर्शन किया। योग दिवस दुनिया भर में लाखों लोगों द्वारा मनाया गया।

राजपथ पर हुए समारोह ने दो गिनीज रिकॉर्ड्स की स्थापना की : सबसे बड़ी योग क्लास ३५,९८५ लोगों के साथ और चौरासी देशों के लोगों द्वारा इस आयोजन में एक साथ भाग लेने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इस रिकॉर्ड को आयुष मंत्री श्रीपद नाइक ने स्वयं ग्रहण किया।

विवाद

इस दिवस का विवादों में अपना हिस्सा था। सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दौरान विवाद से बचने के लिए **सूर्य नमस्कार** व **श्लोक जप** की अनिवार्यता को आधिकारिक योग कार्यक्रम से हटा दिया और मुसलमानों से इस आयोजन में भाग लेने की अपील की। आयुष मंत्री श्रीपद नाइक ने मुसलमानों से इस कार्यक्रम के दौरान श्लोक के स्थान पर अल्लाह के नाम को पढ़ लेने का सुझाव दिया। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सूर्य नमस्कार को धर्म के खिलाफ बताते हुए इसका विरोध किया।

गले का दर्द

योगाचार्य नरेन्द्र आर्य

गले में दर्द की घरेलू चिकित्सा

विभिन्न कारणों से गले में दर्द होता है। जैसे किसी चीज से गले पर चोट लगी है, गला छिल जाता है। अधिक गर्म पदार्थ खाने-पीने के कारण गले में दर्द होता है। इसके अलावा गले में सूजन आ जाने पर या कफ बनने के कारण भी दर्द होता है। जिस के घरेलू उपचार निम्न है-

- रीठे के छिलके को पीसकर लगभग १ ग्राम के चौथे भाग की मात्रा को शहद में मिलाकर सुबह-शाम रोगी को चटाना चाहिए।
- शहतूत का शरबत पीने से गले की खुश्की और दर्द ठीक हो जाता है।
- मूली का रस और पानी को बराबर मात्रा में लेकर उसमें नमक मिलाकर गरारे करने से गले के घाव ठीक हो जाते हैं।
- हर दिन ३-३ घंटे के अंदर दो चम्मच साबुत धनिया को चबाकर चूसते रहने से हर प्रकार के गले का दर्द दूर हो जाता है।
- भुनी हुई फिटकरी को ग्लिसरीन में मिलाकर गले में डालकर गरारा करने से गले के दर्द को आराम मिलता है।
- पालक के पत्तों को उबालकर पानी छानकर पत्तों को निचोड़ ले तथा इसके गुनगुने पानी से गरारा करने से गले का दर्द ठीक हो जाता है। ढाई सौ ग्राम पालक के पत्ते लेकर दो गिलास पानी में उबाल लें और जब उबलने के बाद पानी आधा रह जाए तो उसे छान ले तथा इससे गरारे करने से गले का दर्द ठीक हो जाता है।
- एक गिलास पानी में एक नींबू को निचोड़ कर उसे गरारा करने से आराम मिलता है।
- दो चम्मच नीम की पत्तियों के रस को एक गिलास गर्म पानी में आधा चम्मच शहद मिलाकर रोजाना गरारे करने से गले में जमा हुआ कफ दूर होता है।
- पानी में नमक मिलाकर गरारे करने से गले के टांसिल, सूजन, दांत के दर्द आदि रोगों में आराम मिलता है।
- १ इंच मुलेठी का टुकड़ा दिन में दो बार चूसने से गले का कफ दूर होता है और गले संबंधित समस्त रोग दूर होते हैं।
- अदरक किस कर एक गिलास पानी में उबाल लें। इसमें एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से गले के रोग दूर होते हैं।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । - सम्पादक

FATHER'S DAY पितृ दिवस

फादर्स डे पिताओं के सम्मान में एक व्यापक रुप से मनाया जाने वाला पर्व हैं। जिसमे पितृत्व (फादरहुड), पितृत्व-बंधन तथा समाज में पिताओं के प्रभाव को समारोह पूर्वक मनाया जाता है। अनेक देशों में इसे जून के तीसरे रविवार, तथा बाकी देशों में अन्य दिन मनाया जाता है। यह माता के सम्मान हेतु मनाये जाने वाले मदर्स डे (मातृ-दिवस) का पूरक है।

इतिहास

फादर्स डे की शुरुआत बीसवीं सदी के प्रारंभ में पिताधर्म तथा पुरुषों द्वारा परवरिश का सम्मान करने के लिये मातृ-दिवस के पूरक उत्सव के रुप में हुई। यह हमारे पूर्वजों की स्मृति और उनके सम्मान में भी मनाया जाता है। फादर्स डे को विश्व में विभिन तारीखों पर मनाते है - जिसमें उपहार देना, पिता के लिये विशेष भोज एवं पारिवारिक गतिविधियां शामिल हैं। आम धारणा के विपरीत, वास्तव में फादर्स डे सबसे पहले पश्चिम वर्जीनिया के फेयरमोंट में १९ जून १९१० को मनाया गया था। कई महीने पहले ६ दिसम्बर १९०७ को मोनोंगाह, पश्चिम वर्जीनिया में एक खान दुर्घटना में मारे गए २१० पिताओं के सम्मान में इस विशेष दिवस का आयोजन श्रीमती ग्रेस गोल्डन क्लेटन ने किया था। प्रथम फादर्स डे चर्च आज भी सेन्ट्रल यूनाइटेड मेथोडिस्ट चर्च के नाम से फेयरमोंट में मौजूद है।

गलत सूचनाओं तथा पश्चिम वर्जीनिया द्वारा पहले फादर्स डे को छुट्टी के रुप में दर्ज नहीं करने के कारण कई अन्य सूत्र यह मानते हैं कि प्रथम फादर्स डे स्पोकाने, वाशिंगटन के सोनोरा स्मार्ट डोड के प्रयासों से दो वर्ष बाद १९ जून १९१० को आयोजित किया गया था। १९०९ में स्पोकाने के सेंट्रल मेथोडिस्ट एपिस्कोपल चर्च के बिशप द्वारा हाल ही में मान्यता प्राप्त मदर्स डे पर दिए गए एक धर्म उपदेश को सुनने के बाद, डोड को लगा कि पिताधर्म को भी अवश्य मान्यता मिलनी चाहिए। वे अपने पिता विलियम स्मार्ट जैसे अन्य पिताओं के सम्मान में उत्सव आयोजित करना चाहती थीं, जो एक सेवानिवृत्त सैनिक थे तथा जिन्होंने छठे बच्चे के जन्म के समय, जब सोनोरा १६ वर्ष की थी, अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद अपने परिवार की अकेले परवरिश की थी।

अगले वर्ष ओल्ड सेन्टेनरी प्रेस्बिटेरियन चर्च (अब नौक्स प्रेस्बिटेरियन चर्च) के पादरी डॉ. कोनराड ब्लुहम की सहायता से सोनोरा इस विचार को स्पोकाने वायएमसीए के पास ले गयी। स्पोकाने वायएमसीए तथा मिनिस्टीरियल अलायन्स ने डोड के इस विचार का समर्थन किया और १९१० में प्रथम फादर्स डे मना कर इसका प्रचार किया। सोनोरा ने सुझाव दिया कि उनके पिता का जन्मदिन, ५ जून को सभी पिताओं के सम्मान के लिये तय कर दिया जाये। चूंकि पादरी इसकी तैयारी के लिए कुछ और वक्त चाहते थे। इसलिये १९ जून १९१० को वायएमसीए के युवा सदस्य गुलाब का फूल लगा कर चर्च गये। लाल गुलाब जीवित पिता के सम्मान में और सफेद गुलाब मृतक पिता के सम्मान में। डोड घोड़ा-गाड़ी में बैठकर पूरे शहर में घूमीं और बीमारी के कारण घरों में रह गये पिताओं को उपहार बांटे। इसे आधिकारिक छुट्टी बनाने में कई साल लग गए। वायएमसीए, वायडब्लूसीए तथा चर्च के समर्थन के बावजूद फादर्स डे के कैलेंडर से गायब होने का डर बना रहा। जहां मदर्स डे को उत्साह के साथ मनाया जाता वहीं फादर्स डे की हंसी उड़ाई जाती। धीरे-धीरे छुट्टी को समर्थन मिला, लेकिन गलत कारणों के लिए। यह स्थानीय अखबार के चुटकुलों सहित व्यंग्य, पैरोडी तथा उपहास का पात्र बन गया। बहुत से लोगों ने इसे कैलेंडर को विचारहीन प्रोत्साहन से भरने के पहले कदम के रुप में देखा।

छुट्टी को राष्ट्रीय मान्यता देने के लिये सन् १९१३ में एक बिल कांग्रेस में पेश किया गया। सन १९१६ में, राष्ट्रपति वुडरो विल्सन एक फादर्स डे समारोह में भाषण देने स्पोकाने गये तो वे इसे आधिकारिक बनाना चाहते थे। किंतु इसके व्यावसायीकरण के डर से कांग्रेस ने इसका विरोध किया। अमेरिकी राष्ट्रपति कैल्विन कूलिज ने १९२४ में सिफारिश की कि यह दिवस पूरे राष्ट्र द्वारा मनाया जाये, किंतु इसकी राष्ट्रीय घोषणा को रोक दिया। इस छुट्टी को औपचारिक मान्यता दिलाने के दो प्रयासों को कांग्रेस ठुकरा चुकी थी। १९५७ में, मेन सीनेटर मार्ग्रेट चेज स्मिथ ने कांग्रेस पर माता-पिता में से पिता को अकेला छोड़ कर, सिर्फ माताओं का सम्मान करके ४० साल तक पिता की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए एक प्रस्ताव लिखा। १९६६ में, राष्ट्रपति लिंडन जॉनसन ने प्रथम राष्ट्रपतीय घोषणा जारी कर जून महीने के तीसरे रविवार को पिताओं के सम्मान में, फादर्स डे के रुप में तय किया। छह साल बाद १९७२ में वह दिन आया जब राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने इस कानून पर हस्ताक्षर किये और यह एक स्थायी राष्ट्रीय छुट्टी बना। २०१० में, फादर्स डे की स्मृति में स्पोकाने में फादर्स डे शताब्दी समारोह एक महीने तक चला। फादर्स डे के अलावा, कई देशों में १९ नवम्बर को अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया जाता है, ऐसे पुरुषों और लड़कों के सम्मान में जो पिता नहीं हैं।

वर्तनी : हालांकि इस कार्यक्रम का नाम आमतौर पर एक बहुवचन (अर्थात पिताओं से संबंधित दिन) के रुप में समझा जाता है, सामान्यत: जिसकी वर्तनी को Fathers' Day होना चाहिए लेकिन सर्वाधिक प्रचलित वर्तनी Father's Day है, मानो यह एक वचन (अर्थात- पिता से संबंधित दिन) हो। संयुक्त राज्य अमेरिका में डोड ने छुट्टी के लिये अपने मूल प्रार्थना-पत्र में Fathers' Day वर्तनी का प्रयोग किया था। किंतु वर्तनी Father's Day १९१३ से ही प्रचलित थी, जब छुट्टी को स्थापित करने के प्रथम प्रयास के रुप में अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार बिल पेश किया गया था तथा यही वर्तनी २००८ तक चलती रही जब अमेरिकी कांग्रेस द्वारा इसके जनक का सम्मान किया गया।

हिंदू परंपरा : हिंदू परंपरा वाले देशों में पश्चिम से प्रेरित फादर्स डे को पित्तरों की मौजूदा हिंदू पूजा के रुप में अगस्त के अंत में या सितम्बर के प्रारंभ में अमावस्या को मनाया जाता है। ऐसा हिंदू बाहुल्य वाले भारत तथा नेपाल में प्रचलित है। भारत में माता-पिता को याद करने के लिए १५ दिन हिंदी महीना आश्विन (कुँवार) में हर वर्ष आते हैं जिन्हे पितृपक्ष या देशी बोली में करय दिन भी कहते हैं - अशिवन माह की प्रथम तिथि प्रतिपदा (पड़वा) से प्रारम्भ होकर अमवस्या (१५ दिन) तक चलते हैं। इन दिनों में पूर्वजों को याद करने के साथ-साथ वैदिक परम्पराओं अनुसार जल देने का विधान है, जिससे पूर्वज संतुष्ट होते हैं और उनकी आशीष अपने वंशजों को मिलती है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : आपकी शिकायत करने की आदत सही नहीं है। सावधान रहें। करियर संबंधित योजना बनाते हुए अनुभवी व जानकार लोगों से सलाह लेना हितकर रहेगा। अमीर बनने के लालच में चालू स्कीमों में पैसा लगाने से बचें।

वृषभ : काम से जुड़ा दबाव आप पर हावी नहीं होगा। किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह पर ही निवेश करें। रुके हुए काम इस सप्ताह शुरु हो सकते हैं। नौकरीपेशा और बिजनेस करने वालों को आसपास के लोगों की मदद मिल सकती है।

मिथुन : लंबे समय से मार्केटिंग फील्ड ज्वॉइन करने का सपना साकार होगा। छुट्टियों पर जाना खर्चे का काम हो सकता है। अपने अतिरिक्त धन का प्रयोग आप काम के विस्तार के लिए कर सकते हैं।

कर्क : कार्यक्षेत्र में दूसरों पर हावी होने के प्रयास आप पर ही भारी पड़ सकता हैं। अप्रत्याशित आय के स्रोत मिलने के कारण आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार होना मुमकिन है। सपनों के राजकुमार या राजकुमारी से मुलाकात होना संभव है। सेहत का ध्यान रखें।

सिंह : करियर की स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी रह सकती है। शारीरिक स्वस्थता की मदद से आप हर प्रकार के मानसिक तनाव व दबाव को मात देने में सफल रहेंगे। बिजनेस से जुड़े आपके विचारों पर सफलतापूर्वक अमल करना मुमकिन होगा। यात्रा के सितारे बुलंद हैं।

कन्या : लंबी दूरी की यात्रा में सावधानी बरतनी होगी। घर-परिवार में क्लेश का माहौल बना रह सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये उतावलापन दिखाने की जरुरत नहीं। सफलता जरुर मिलेगी। आराम के महत्व को भी समझें।

तुला : मामूली बातों में उलझने से बचेंगे तो जीवन का भरपूर आनंद उठा सकेंगे। निवेश को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है। नकली मुखौटा पहनने से बचें, खासकर अपनी जीवनसाथी के सामने।

वृश्चिक : आपकी सामाजिक छवि को धक्का पहुंच सकता है। गैरजरुरी सामान की खरीददारी कर सकते हैं। किसी गंभीर बीमारी की समय रहते जांच हो जाने पर इलाज समय पर शुरु हो जाएगा और मुसीबत की घड़ी टल जाएगी।

धनु : व्यवसाय से जुड़े कई सपने साकार होने वाले हैं। नई नौकरी, प्रमोशन या सैलेरी बढ़ने की संभावनाएं हैं। छात्र पॉजिटिव आउटलुक व एनर्जी से ओतप्रोत रहेंगे। गप्पबाजी व अफवाहों से दूर रहें।

मकर : यह सप्ताह मेहमान नवाजी में बीतने वाला है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनलों को अपने सपने साकार करने का मौका मिल सकता है। जो कमर दर्द या जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, उन्हें हर्बल ट्रीटमेंट से राहत मिलेगी।

कुंभ : आपकी मेहनत रंग लाएगी। अनअपेक्षित क्षेत्र में भी भाग्य व मेहनत के साथ देने के कारण सफलता सुनिश्चित है। प्रेम संबंध में खुशियां बनी रहेंगी। यात्रा के दौरान परेशानी हो सकती है। गुस्से पर काबू करें।

मीन : आपकी आउट ऑफ द बॉक्स सोच आपको सफलता के रास्ते पर पहुंचाएगी। अनुभवी सहकर्मियों की मदद मिलेगी। सैलेरी भी बढ़ सकती है। लेखकों व पत्रकारों को अपने विचारों पर अमल करने में सफलता मिलेगी। सेहत को लेकर सजग रहें।

कांग्रेस के वरिष्ठों की उपस्थिति में गोंदिया जिले के पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़ हुए कांग्रेसी

बंसोड़ की जनक्रांति आघाड़ी के अनेक सदस्य भी कांग्रेस में

मुंबई - कांग्रेस पार्टी के प्रखर युवा नेता राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर १९ जून को मुंबई स्थित कांग्रेस कार्यालय में गोंदिया जिले के कद्दावर नेता एवं तिरोडा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़ ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नानाभाऊ पटोले के नेतृत्व में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया। इस प्रवेश से गोंदिया जिले में खासकर तिरोडा विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक भूचाल मचा हुआ है। दिलीप बंसोड़ के कांग्रेस में आने से कांग्रेस को मजबूत होगी।

प्रवेश के दौरान महाराष्ट्र कांग्रेस के कार्याध्यक्ष एच.के. पाटील, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नानाभाऊ पटोले, पूर्व मुख्यमंत्री सुशीलकुमार शिंदे, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चौहान, महसूल मंत्री बालासाहब थोरात, कांग्रेस महासचिव आशीष दुआ, कांग्रेस सचिव रजनीताई पाटील, मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप, कार्याध्यक्ष चंद्रकांत हडोरे, कार्याध्यक्ष शिवाजीराव मोघे, कार्याध्यक्ष प्रणिती शिंदे, कार्याध्यक्ष नसीम खान, ऊर्जामंत्री नितिन राऊत, मंत्री विश्वजीत कदम, मंत्री असलम शेख, मंत्री यशोमति ठाकुर, विधायक अभिजीत वंजारी, गोंदिया जिला कांग्रेस कार्याध्यक्ष रत्नदीप दहिवले, गोंदिया जिले के कांग्रेस युवा नेता अशोक (गप्पू) गुप्ता, कांग्रेस महासचिव एवं सोशल मिडिया कांग्रेस जिलाध्यक्ष एड. योगेश अग्रवाल, गोंदिया विधानसभा सोशल मीडिया अध्यक्ष राहुल मोहबे आदि की उपस्थिति रही।

पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़ का कांग्रेस प्रवेश पर सभी कांग्रेस नेताओं द्वारा उनका पुरजोर तरीके से अभिनंदन किया गया। इस दौरान दिलीप बंसोड़ ने कहा कि, वो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में रहते हुए तिरोडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे हैं। परंतु राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की गलत नीतियों के चलते उनकी टिकट काटकर किसी अन्य को दी गई, जिससे पार्टी ने अपनी सीट गवां दी। मैंने दो बार निर्दलीय चुनाव लड़कर राष्ट्रवादी को खड़े नही होने दिया। मुझे खुशी है कि मैं अब प्रखर विचारधारा वाली पार्टी से जुड़ चुका हूं। अब हम गोंदिया-भंडारा जिले में प्रदेशाध्यक्ष नानाभाऊ पटोले के नेतृत्व में कांग्रेस को विधानसभा, जिला परिषद, पंचायत समिति एव अन्य चुनावों में वर्चस्व दिलाने का कार्य करेंगे।

इस प्रवेश के दौरान दिलीप बंसोड़ के साथ उनकी जनक्रांति विकास आघाड़ी के जिलाध्यक्ष जागेश्वर निमजे, डुमेश चौरागडे, संजय कींदरले, राजकुमार असाटी, प्रदीप सहारे, अली अहमद सैयद, मुकेश बरीयेकर सहित अनेक लोगो ने कांग्रेस प्रवेश किया।

बसपा छोड़ नगर सेविका गौशिया बाजी राष्ट्रवादी कांग्रेस में

गोंदिया शहर मे सांसद प्रफुल पटेल ने जुनेदभाई शेख के निवास स्थान पर पदाधिकारी-कार्यकर्ता व परिसर के नागरिकों से भेट कर विविध विषयों पर मार्गदर्शन किया व उपस्थित नागरिको से परिसर की समस्याओं पर भी चर्चा की। सांसद पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि, पार्टी के कार्यकर्ताओं को हर समय पर जनता की समस्याओं को जानकर उसके निराकरण हेतू कटिबद्ध होकर समस्या को सुलझाने का कार्य करते रहना चाहिये, ताकी पक्ष की कार्यशैली एवं विचारधारा लोगों के दिमाग में बैठ सके। राष्ट्रवादी कांग्रेस एक परिवार की तरह है, पक्ष संगठन में सभी लोग

एकजूट होकर कार्य करें, तो उसके परिणाम अच्छे ही मिलेंगे। चुनाव होते ही रहेंगे, पर जनता की समस्याओं का समाधान करने से पक्ष का विस्तार होता है।

इस कार्यक्रम में सांसद पटेल के नेतृत्व पर विश्वास रखकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में बसपा नगरसेविका गौशिया बाजी को पटेल के हस्ते पुष्पगुच्छ देकर व पार्टी का दुपट्टा पहनाकर उनका पक्ष में स्वागत किया। इनके साथ में कदीर भाई, भुरु पठाण, प्यारेभाई, छोटू मरस्कोल्हे, मधुकाका सुदन, युसूफ खान, अफसर अली, अमन सिद्दीकी, अयुबभाई, चंदन तुपकर, इरफानभाई, मुजीबभाई, आसिफभाई, श्रीमती विजया तुपकर, अकरम शेख, मुजीब खान, असलम शेख, अयुब खान, साकिब कुरैशी, जुबेद शेख, संजू जैन, दीपक शेंडे, अमजदभाई, विक्कीभाई, फैजभाई, असिफभाई ने पक्ष प्रवेश किया

कांग्रेस व भाजपा पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों का राकांपा में प्रवेश

२७ गोंदिया शहर के पीपी कॉलेज के सभागृह में आयोजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन के अवसर पर सांसद पटेल ने कहा कि गोंदिया व भंडारा जिले के विकास के दृष्टिकोण से उनके निरंतर प्रयास शुरु है। जिसमें शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय की प्रशासकीय इमारत के निर्माण कार्य, धापेवाडा उपसा सिंचन योजना का दूसरा व तीसरा चरण का काम, शहर के विकास की श्रंखला के अंतर्गत भूमिगत गटर योजना, भूमिगत विद्युत प्रकल्प तथा इसके अलावा जिले के सिंचाई प्रकल्प के प्रश्न हल किए जा रहे हैं। तथा उपरोक्त कामों को अधिक गति प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही कोरोना संक्रमण की लड़ाई में आवश्यक उपाय योजना करने के साथ ही पक्ष के कार्यकर्ता निरंतर सामने आ रहे हैं, जिसके चलते आज गोंदिया जिले में संक्रमण की बढ़ोतरी पर लगाम लगने के साथ ही गोंदिया जिला एक मॉडल जिला के रुप में सामने आया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष की विचारधारा ने सर्व सामान्य जनता की जन भावनाओं को एक साथ जोड़ने का कार्य किया है, जिसके चलते पार्टी

के कार्यों व भूमिका को जनता तक पहुंचा कर संगठन को मजबूत करने का आवाहन किया। साथ ही इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष में प्रवेश करने वाले सभी पदाधिकारियों द्वारा गोंदिया जिले में पक्ष को और अधिक मजबूती मिलेंगे ऐसा विश्वास व्यक्त किया।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर भाजपा व कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारियों वह जनप्रतिनिधियों ने सांसद प्रफुल पटेल के हस्ते राष्ट्रवादी कांग्रेस में प्रवेश लिया। जिसमें कांग्रेस के अनुसूचित विभाग जिल्हाध्यक्ष विशाल शेंडे, अनुसूचित विभाग प्रदेश सचिव सुनिल भालेराव, पूर्व न.प.सभापती गज्जू नागदवणे, पूर्व नगराध्यक्ष रमेश ठवरे, कांग्रेस अनु.जाती सेल महासचिव लक्ष्मीकांत डहाट, कांग्रेस सेवादल के पूर्व संघटक प्रदीप ठवरे, भाजप अनु.जाती युवा मोर्चा संपर्क प्रमुख वसंत गणवीर, डॉ.राजेंद्र वैद्य, बशिर कुरैशी, कबीर सुखदेवे, पूर्व न.प. सभापती विकास शेंडे, पैयाज पठाण, मिलिंद नागदवणे, आकाश गडपायले, नेतराम गौतम, किशोर गजभिये, सुदर्शन वाहने, बेंजामिन लॉरेन्स, नौशाद जाफरी, डेजमंड सतुर, महेंद्र शेंडे, धिरज रुपारेल, रामप्रसाद गौतम ने राष्ट्रवादी में प्रवेश किया। सांसद पटेल ने सभी प्रवेश करने कार्यकर्ता का स्वागत किया।

जिला न्यायालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम

गोंदिया - विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर १४ जून को गोंदिया जिला न्यायालय परिसर में जिला विधि सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय व जिला वकील संघ गोंदिया के संयुक्त तत्वाधान में विधि प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा जिला व सत्र न्यायाधीश एस.ए.ए.आर. औटी की अध्यक्षता में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर न्यायधीश यू.बी. शुक्ल, एस.बी. पराते, ए.एम. खान, एन.बी. लवटे, श्रीमती एस.डी. तुलनकर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एस.बी. दुधे, दीवानी न्यायधीश एन.आर. वानखेडे, मुख्य न्याय दंडाधिकारी एस.जे. भठ्ठाचार्य, सहदीवानी न्यायाधीश एस.वी. पिंगले, जे.एम. चौहान ,श्रीमती आर.डी. पुणसे, वी.आर. आशुदानी, एस.डी. वाघमारे, वी.के. पुरी, जिला सरकारी अभियोक्ता महेश चांदवानी, सरकारी अभियोक्ता वसंत चुटे तथा न्यायालय के कर्मचारी व पैनल के वकील उपस्थित थे।

पर्यावरण के संरक्षण के लिए पौधों का महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से न्यायालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया कार्यक्रम की सफलता के लिए विधि सेवा प्राधिकरण गोंदिया के पी.पी. पांडे, एस. एम. कठाने, एल.पी. पारधी, पी.एम. गजभिए, एस.एस. पारधी आदि ने सहयोग किया।

स्टार इंटरनेशनल स्कूल गोंदिया ने मनाया योगदिवस

गोंदिया - प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी स्टार इंटरनेशनल स्कूल गोंदिया में छात्रों में योग एवं संगीत के प्रति रुचि जागृत करने हेतु आंतर्राष्ट्रीय योग दिवस व संगीत दिवस शाला समन्वयक जगदीश अग्रवाल व प्रधानाचार्य स्टीफन डेविड के विशेष मार्गदर्शन में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया। शाला के अध्यापक-अध्यापिकाओं द्वारा तकनिकी का उपयोग कर आभासी रुप में छात्रों को जीवन में योग का महत्व समझाते हुए योग शिक्षा दी गई। शाला की क्रीडा शिक्षिका कु. रवीना बरेले व क्रीडा शिक्षक विशालसिंग ठाकुर ने योग के विभिन्न आसनों को प्रस्तुत कर वर्च्युअली छात्रों को योग शिक्षा दी। शाला के सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं ने शाला के प्रांगण में योगाभ्यास व संगीताभ्यास कर अपना उत्साह दर्शाया। शालेय छात्रों ने योगाभ्यास कर जीवन में योग के महत्व को समझा तथा योगविधि एवं विविध आसनों का ज्ञान प्राप्त किया।

शाला की अध्यापिका श्रीमती गौरी चक्रवर्ती ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए योग की विस्तृत जानकारी दी तथा प्रतिदिन योग के विविध आसनों को करने से होनेवाले लाभ से अवगत कराया। गोंदिया शिक्षण संस्था के सचिव राजेंद्र जैन तथा गोंदिया शिक्षण संस्था के संचालक निखिल जैन ने सभी को आंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं संगीत दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कार्यक्रम की सराहना की तथा कार्यक्रम की सफलता का श्रेय शाला के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को दिया।

बिरसी-परसवाडा कॅम्प में योग शिवीर का आयोजन

गोंदिया – स्थानिय बिरसी परसवाडा कॅम्प तह. गोंदिया में बटालियन कॅम्प है। जहां पर करीब ३०० पोलीस बल कार्यरत है तथा नैसर्गिक वातावरण में आयोजित यह योग शिवीर सभी को प्रसन्न कर गया। लायंस क्लब गोंदिया सिविल के द्वारा २१ जून योग दिवस के अवसर पर भव्य प्राणायाम व योग शिवीर आयोजित किया गया। जिसमे योग शिक्षीका माधूरी परमार, अशोक मिश्रा व राजेंद्र असाटी ने प्राणायाम व योग का प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम के शुरुवात मे ध्वजपठण झोन चेयरपर्सन ला.दिलीप चौरागडे ने किया व प्रास्ताविक में रिझन चेयरपर्सन ला.दीपक कदम ने लायंस क्लब गतिविधीयो की जानकारी दी गयी तथा समादेशक संजय साळूंखे व विनोद राय सर का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

क्लब के अध्यक्ष ला. शैलेन्द्र मिश्रा व वरीष्ठ लायन ला.मुरलीधर माहोरे ने योग शिक्षक व अतिथीयों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस शिवीर में ला.मुरलीधर माहोरे, ला. दीपक कदम, ला.दिलीप चौरागडे, ला.शैलेन्द्र मिश्रा, ला.आनंद ठाकूर, ला.सूनिल गडपल्लीवार, ला. रवि भरणे, ला.शाम घाटे, ला. राजेन्द्र जगताप, ला. पवन कटरे, ला.कृष्णा हटवार की उपस्थितती रही।

लायंस क्लब की ओर से बटालियन के अधिकारी व योग शिक्षक को मोमेन्टो देकर सत्कार किया गया तथा प्रशिक्षणार्थी को हरी मूंग दी गयी। कार्यक्रम के पश्चात अल्पाहार की व्यवस्था की गयी थी। कार्यक्रम का संचालन ला.मुरलीधर माहोरे व आभार ला.आनंद ठाकूर ने माना।

योग दिवस व वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

गोदिया – विश्व योग दिवस के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद, सर्व समाज मोक्षधाम सेवा समिति द्वारा मोक्षधाम परिसर में सभी समिति के सदस्यों ने मिलकर सुबह ७ से ८ बजे तक योग करके विश्व योग दिवस मनाया। उसके पश्चात हिरवळ बहुउद्देशीय संस्था के साथ मिलकर मोक्षधाम परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

इस कार्यक्रम में मोक्षधाम सेवा समिति के देवेश मिश्रा, हरीश अग्रवाल, तोलाराम मनकानी, योगेंद्र सोलंकी, कृष्णकांत बिसेन, आशीष ठकरानी, गणेश जांगजोड़, अनिल मेश्राम, बंडू सातव, समरित नशीने, महेंद्र स्वामी, बालू मेश्राम, अंकित कुलकर्णी, हिरवळ के सदस्यों में विक्की सहारे, स्वप्नील ढबाले, जिग्नेश जोशी, विशाल चचाने, पंकज नंदनवार, शुभम निपाने, रोहित सोनवाने उपस्थित थे।

मां नर्मदा सेवा संस्था द्वारा योग दिवस का आयोजन

गोंदिया – अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की रामनगर स्थित श्रीराम प्रभात शाखा, मां नर्मदा भजन मंडल व मां नर्मदा सेवा संस्था द्वारा रामनगर स्थित वसंत टाल परिसर में योग दिवस का आयोजन किया गया। योगाचार्य विनोद हिरडे के मार्गदर्शन में उपस्थित नागरिकों, बच्चों व मातृशक्ति ने योग, व्यायाम, प्राणायाम का लाभ उठाया। इस अवसर पर श्री वेगड़ ने वसंत टाल परिसर इस हेतु निशुल्क उपलब्ध कराया।

श्री वेगड़, विनोद हिरडे, शाखा कार्यवाही उमेश फुलबांधे का स्वयंसेवकों व संस्था पदाधिकारियों ने पुस्तक व पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया। कार्यक्रम के सफलतार्थ अजय यादव, अमीत यादव, राकेश चौहान, आशुतोष शर्मा, नारायण पिथोड़े, वसंत राठोड़, अशोक गिरधर, चिन्मय हिरडे, मितेश परमार, राजेश पर्वतकर, रामु ढोरे आदि ने अथक प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन मां नर्मदा सेवा संस्था व मां नर्मदा भजन मंडल के संस्थापक व अध्यक्ष माधव गारसे ने किया।

सुकन्या विद्यालय द्वारा पौधारोपण का शुभारंभ

२३ गोंदिया तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम काटी की सुकन्या संकल्प निकेतन माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय के २१ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर स्थापना दिवस के पर्व पर विद्यालय परिसर व ग्राम में पौधारोपण कर ४१०४ पौधारोपण अभियान की शुरुआत की गई। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक गजेंद्र फुंडे, प्राचार्य डी.एस. बहेकार ने सभी शिक्षकों व कर्मचारियों को शुभकामना देते हुए सदैव विद्यार्थियों के हितों में कार्य करने का आव्हान किया तथा पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के लिए विद्यालय परिसर व ग्राम के प्रमुख स्थानों पर विभिन्न प्रजातियों का पौधारोपण कर हरित धरा की संकल्पना को साकार करने के लिए ४१०० पौधारोपन अभियान की शुरुआत की।

विशेष यह है कि पर्यावरण संवर्धन व संरक्षण के अंतर्गत गत वर्ष भी विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के निवास पर तथा १०वीं और १२वीं के १४२ विद्यार्थी तथा प्रथम श्रेणी प्राप्त विद्यार्थियों के निवास पर जाकर भी पौधारोपण किया गया था। जिससे आज वहां उन पौधों का संवर्धन व संरक्षण हो रहा है। साथ ही २०२१ में विद्यालय के २१ वर्ष पूर्ण होने पर स्थापना दिवस पर संचालक गजेंद्र फुंडे के मार्गदर्शन में ४१०० पौधों को लगाने की जिम्मेदारी विद्यालय के शिक्षकों को सौंपी गई है। जिसका शुभारंभ भारत गैस के संचालक अतीत तुरकर व ग्राम के वरिष्ठ समाजसेवी मिताराम भोयर द्वारा विद्यालय परिसर व ग्राम में पौधारोपण किया गया तथा शेष पौधों का रोपण ३० जून तक काटी, कासा, बिरसोला, बघौली, बाजार टोला, कन्हारटोला, मरारटोला, भदयाटोला, जिरुटोला, सेरकाटोला परिसर में किया जाएगा। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले कनिष्ठ महाविद्यालय के प्राचार्य वी.एस. भाजीपाले, विद्यालय के मार्गदर्शक ए. एम. सेलुक, बी.सी. बोपचे, एम.पी. रंहागडाले, एस.डब्ल्यू. राऊत, ए.आर. खडसन व सभी शिक्षक व कर्मचारी प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

योग जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता हैं – डॉ. परिणय फुके

२६ गोंदिया - हर वर्ष २१ जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति दुनिया की सबसे पुरानी संस्कृतियों में से एक है। भारत ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है और इन्हीं में से एक योग भी है। आज योग सिर्फ भारत की सीमाओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि अब इसे भारत की पहल पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिल चुकी है। हम ७वां अंतर राष्ट्रीय योग दिवस कोरोना संकट के बीच मना रहे है । उक्त जानकारी योग दिवस पर विधायक परिणय फुके ने भाजपा पदाधिकारियों को दी।

गोंदिया शहर के गणेशनगर स्थित रानीसती

मंदिर के हाल में आज २१ जून को भाजपा व विधायक डॉ. परिणय फुके मित्र परिवार द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर वे सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने आगे कहा, इसे योग की महिमा ही कहा जाएगा कि आज दुनिया भर के लोग इसे अपनी जीवनशैली का हिस्सा बना रहे हैं। शरीर को स्वस्थ्य और निरोगी बनाए रखने के लिए योग से बेहतर कुछ नहीं। यही नहीं योग आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भी लेकर आता है। योग शारिरिक शक्ति बढ़ाने के साथ ही हमें चुस्त-दुरुस्त रखता है। उन्होंने कहा कोरोना टला नही है। इस संकट में भी योग के प्रति उत्साह देखा जा रहा है।

विधायक फुके ने आगे कहा, संयुक्त राष्ट्र ने २१ जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के रुप में मनाने का ऐलान करके पूरी दुनिया को स्वस्थ रहने का मंत्र दिया था। आज भारत के इस प्राचीन योगासन विधि को दुनिया मान रही है, और उसे अपने जीवन में उतार रही है। हम सबने योग से शक्ति, रोग से मुक्ति के इस मूलमंत्र का संकल्प लेना चाहिये। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगटन के साथ मिलकर माय योगा एप की शुरुवात की जा रही है। इस एप के माध्यम से आमजन को चुस्त-दुरुस्त रखने के अलग-अलग आसान होंगे जो निरोगी व स्वस्थ रहने के लिए बेहतर पर्याय होगा।

योग दिवस पर योग प्रशिक्षक मेघा ठाकरे द्वारा करीब १ घंटे तक योगाभ्यास कराया गया। योग से निरोगी रहने के अलग-अलग आसान सिखाकर स्वस्थ्य रहने के गुर सिखाए गए।

इस योग दिवस में भरत क्षत्रिय, डॉ. प्रशांत कटरे, गजेंद्र फुंडे, राजकुमार कुथे, सुनील केलंनका, बंटी पंचबुद्धे, संजीव कुलकर्णी, शंभुशरणसिंह ठाकुर, जयंत शुक्ला, आत्माराम दसरे, छाया दसरे, पलाश लालवानी, धर्मेन्द्र डोहरे, भावना कदम, मैथुला बिसेन, मौसमी सोनक्षात्रा, शालिनी डोंगरे, गोलडी गावंडे, मिलिंद बागड़े, अशोक जयसिंघानी आदि समेत भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का समावेश रहा।

गोंदिया बिरसी विमानतल का सांसद मेढे ने किया निरीक्षण

गोंदिया जिले के ग्राम बिरसी विमानतल के शुरु होने के पश्चात निजी प्रवासी विमान यातायात परिचालन शुरु होने के लिए सांसद सुनील मेंढे द्वारा विमानतल को भेंट देकर निरीक्षण किया। साथ ही इस अवसर पर उन्होंने नागरिक उड्डयन महासंचालक के साथ चर्चा की। निजी विमान कंपनी द्वारा कुछ ही दिनों में गोंदिया बिरसी विमानतल से यात्री विमान सेवा शुरु होने की जानकारी दी गयी। यात्री परिवहन के लिए विमानतल प्राधिकरण द्वारा मंजूरी दिए जाने के चलते सांसद सुनील मेढे द्वारा विमानतल को भेंट देकर निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर नागरिक उड्डयन महासंचालक दीपा सक्सेना भी पहुंची थी। विमानतल से जल्द ही यात्री यातायात शुरु हो, इसकी मांग सांसद मेढे द्वारा की गई। विमानतल संचालक विनय ताम्रकार, गजेंद्र फेंडे, तिजेश गौतम व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात महिला का शव

देवरी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम मोहनटोला के समीप बाघ नदी में शुक्रवार १८ जून की दोपहर २ बजे के दोरान एक अज्ञात महिला का शव मिला। जिसके उल्टे हाथ पर ज्योतिताई लिखा हुआ है। उपरोक्त मामले में महिला ने आत्महत्या की है या अन्य किसी कारण से उसकी मौत हुई है, इसकी जानकारी समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो पायी। देवरी पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरु की। देवरी पुलिस ने परिसर के लोगों से आहवान किया है कि महिला की किसी भी प्रकार की जानकारी होने पर देवरी पुलिस थाने को सूचित किया जाए।

जिले में चलाया जाएगा वारसान अभियान

गोंदिया जिले में कोविड-१९ संक्रमण के चलते ५७१ नागरिकों की आकस्मिक मौत हुई है। इन मृतकों में से अनेकों की कृषि भूमि है। कृषि भूमि का फेरफार करने की कार्रवाई करने के संदर्भ में राजस्व विभाग के पटवारी तथा मंडल अधिकारी द्वारा किये जाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिले में वारसान अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा सभी तहसीलदारों को कोविड-१९ संक्रमण के चलते आकस्मिक मौत होने वाले व्यक्तियों के नाम से जमीन तथा जमीन के फेरफार पटवारी, वन मंडल अधिकारी द्वारा करना आवश्यक है। इसलिए इस प्रकार के प्रकरणों की तलाश कर लाभार्थियों को लाभ देने के लिए वारसान अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए हैं। उपरोक्त अभियान के अंतर्गत कोई भी पात्र लाभार्थी इस अभियान से वंचित ना रहे ऐसा आवाहन जिला अधिकारी राजेश खवले ने किया है।

विशेष सहायक सरकारी अभियोक्ता पद भर्ती अपात्र उम्मीदवार ५ जुलाई तक दे आक्षेप

जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा ३ फरवरी २०२१ को जारी की गई सूचना के अनुसार ११ विशेष सहायक सरकारी अभियोक्ता पद के लिए इच्छुक उम्मीदवारों ने ६२ आवेदन जिलाधिकारी कार्यालय में पेश किए थे। जिसमें जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा गठित समिति द्वारा ६२ आवेदनों की जांच कर पात्र-अपात्र सूची तैयार की गई है। जिसमें ३६ अर्जदार साक्षात्कार के लिए पात्र तथा २६ आवेदन अपात्र पाए गये। गत दिनों कोरोना संक्रमण के चलते शासन द्वारा लॉकडाउन घोषित किया गया था। जिसके चलते सूची जाहिर करना व आक्षेप की कार्रवाई को आगे बढ़ाई गई थी। सूचना के अनुसार पात्र-अपात्र उम्मीदवारों की सूची गोंदिया जिले की वेबसाइट पर जाहिर की गई है। इसमें अपात्र उम्मीदवारों से आक्षेप मंगवाए गए हैं। ५ जुलाई २०२१ तक अपने आक्षेप जिलाधिकारी कार्यालय के दंड शाखा में अथवा मेल द्वारा भेज सकते हैं। ५ जुलाई के पश्चात प्राप्त होने वाले आक्षेपों पर सुनवाई नहीं होंगी। इस प्रकार की जानकारी जिला दंडाधिकारी राजेश खवले द्वारा दी गई है।

टीप्पर की टक्कर से युवती की मौत

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतनर्गत आने वाले ग्राम चुलोद मार्ग पर २० जुन की सुबह ११ बजे के दौरान मानव सत्संग रुहानी केंद्र के सामने मार्ग पर दुपहिया वाहन को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस घटना में खमारी निवासी कल्याणी राजू मेढे (१९) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गौरतलब है कि गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम चुलोद मार्ग पर रविवार २० जून की सुबह ११ बजे के दौरान रेत के खाली टीप्पर क्रमांक एमएच-३५ एजे-२७७१ के चालक ने लापरवाही पूर्ण तरीके से तेज गति से चलाते हुए, दुपहिया वाहन क्रमांक एमएच ३५-एडी-७४७१ की चालक खमारी निवासी कल्याणी राजू मेढे जो ग्राम महागांव की ओर जा रही थी को जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर में टीप्पर उसके सर के ऊपर से निकल गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के पश्चात टीप्पर वाहन चालक घटनास्थल से फरार हो गया। उपरोक्त मामले में गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने में भादवि की धारा २७९, ३०४(अ), ३३७, तथा सहायक धारा मोटर वाहन कानून १८७, १३४(अ)(ब) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने के सहायक पुलिस उपनिरीक्षक चौहान द्वारा की जा रही है।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय

जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया

मो. : 9405244668, 7670079009

समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

अर्जुनी मोरगांव तहसील के ग्राम बाराभाटी व देवलगांव के

मोबाइल टावर बने सफेद हाथी

संतोष रोकड़े – अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बाराभाटी व देवलगांव में अनेक वर्षों से वोडाफोन कंपनी का मोबाइल टावर लगा हुआ है। लेकिन टावर से नेटवर्क व कवरेज नहीं मिलने से यह नागरिकों के लिए सफेद हाथी साबित हो रहा है। गौरतलब है कि वर्तमान समय में मोबाइल सभी के लिए आवश्यक हो चुका है। लेकिन यदि मोबाइल को नेटवर्क व कवरेज ही न मिले तो वह किसी काम का नहीं रहता। अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बाराभाटी व देवलगांव में मोबाइल

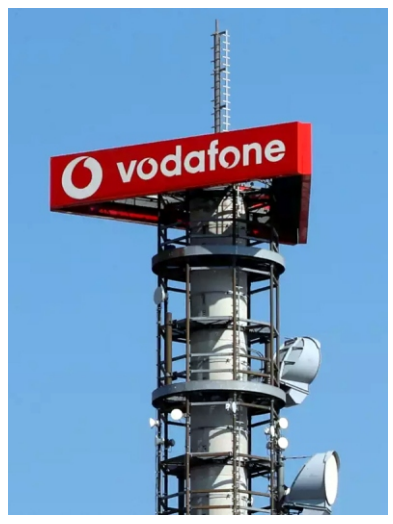

के टावर तो निर्माण किए गए हैं। लेकिन टावर से कवरेज नहीं मिल पाता। जिससे वे सफेद हाथी सिद्ध हो रहे हैं। विशेष यह कि उपरोक्त क्षेत्र जिला मुख्यालय से ८०-९० किमी दूर होने के चलते मोबाइल सेवा अति आवश्यक है। इस संदर्भ में संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत किए जाने के बावजूद समय पर सुधार कार्य नहीं होता। जिसके चलते जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इस गंभीर विषय पर ध्यान देकर इस समस्या को हल करने की मांग क्षेत्र के नागरिकों व मोबाइल उपभोक्ताओं द्वारा की गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस के संकल्प से भाजपा शुरु करेंगी ग्रामस्तर पर

प्रशिक्षित आरोग्य सेवक अभियान की शुरुवात - डॉ.फुके

गोंदिया – महाविकास आघाड़ी सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में विफलताओं के कारण कोविड संकट के दूसरे फेज़ के भयावह प्रसार में अनेक परिवारों ने अपनों को खोया है। अभी भी कोरोना का संकट मंडराया हुआ है, फिर भी जिले में स्वास्थ्य की पर्याप्त व्यवस्थाएं व ऑक्सीजन प्लांट नहीं है। भविष्य में कोविड का प्रकोप इससे भयावह न हो, इस हेतु भाजपा ग्रामस्तर पर स्वास्थ्य व्यवस्था पर कार्य कर रही है। उक्त आशय गोंदिया-भंडारा विधान परिषद क्षेत्र के विधायक व पूर्व पालकमंत्री डॉ. परिणय फुके ने उपस्थित कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। विधायक फुके, पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा गोंदिया जिले को उपलब्ध करायी गई ३० ऑक्सीजन कांसट्रेटर मशीनों के वितरण कार्यक्रम के दौरान गोरेगांव भाजपा कार्यालय में बोल रहे थे।

विधायक परिणय फुके ने आगे कहा, भविष्य में तीसरे चरण के कोविड संकट को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के संकल्प से भाजपा पदाधिकारियों को उससे निपटने सजग रहने की अपील की गई है। उन्होंने कहा, फडणवीस के संकल्प के तहतग्राम स्तर पर एक प्रशिक्षित आरोग्य सेवक भाजपा द्वारा नियुक्त करने हेतु उपाय योजना पर कार्य किया जा रहा है। इस आरोग्य सेवक को फर्स्ट-एड

दवाएं मुहैया कराकर, उसके साथ पूरी टीम तैयार की जायेगी। जो जरुरत पड़ने पर मरीजों को स्वास्थ्य सेवा देने का कार्य करेगी। हम आगामी संकट से लड़ने हेतु तैयार हैं तथा कोविड में आम नागरिको की जान जाने की पुनरावृत्ति न हो इस हेतु सजगता से कटिबद्ध है।

इस दौरान विधायक विजय रहांगडाले, दोनों जिलो के संगठन मंत्री वीरेंद्र (बाळाभाऊ) अंजनकर, पूर्व विधायक हेमंत पटले, जिला संगठन मंत्री संजीव कुलकर्णी, डॉ. लक्ष्मण भगत, साहेबलाल कटरे, जगनीत सर, रेखलाल टेंभरे, पंकज रहांगडाले, मोरेश्वर कटरे, ओम कटरे, आशीष बारेवार, विश्वजीत डोंगरे आदि पदाधिकारी प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

फादर्स डे पर नक्सलग्रस्त गनुटोला में रक्तदान व पौधारोपण

कम्युनिटी पुलिसिंग के अंतर्गत विभाग का सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ संयुक्त अभियान

गोंदिया जिले के नक्सलग्रस्त व आदिवासी क्षेत्रों में कम्युनिटी पोलिसिग अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर की संकल्पना पर फादर्स डे पर गनुटोला के शासकीय आश्रम स्कूल में रक्तदान शिविर व पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। गौरतलब है कि जिले के आदिवासी दुर्गम क्षेत्र व नक्सग्रस्त क्षेत्रों में पुलिस विभाग द्वारा कम्युनिटी पुलिसिंग अभियान के अंतर्गत समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिससे क्षेत्र के नागरिकों व प्रशासन के बीच दूरी कम हो, इसी के तहत २० जून को फादर्स डे पर गनुटोला के प्रतिष्ठित नागरिकों व सामाजिक कार्यकर्ताओं के संयुक्त तत्वधान में आश्रमशाला कड़ीकसा में गोंदिया की लोकमान्य ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर तथा वन विभाग के सहयोग से पौधारोपण कार्यक्रम किया गया।

इस अवसर पर कोरोना संक्रमण से बचाव व टीकाकरण के संदर्भ में जनजागृति की गई। गनुटोला में स्टॉप तथा आशा वर्कर के सहयोग से नागरिकों को टीकाकरण किया गया। इस अवसर पर चिचगढ़ वन विभाग की वन परीक्षेत्र अधिकारी संगीता ढोबले ने पौधारोपण के संदर्भ में ग्रामवासियों का मार्गदर्शन कर जानकारी दी। उपरोक्त कार्यक्रम के अवसर पर एओपी गनुटोला के पुलिस उपनिरीक्षक मंगेश वानखेडे, चिचगढ़ वन विभाग से संगीता ढोकले, आश्रमशाला कड़ीकसा के प्रधानाचार्य राऊत, स्वास्थ्य सेविका, आशा वर्कर, सरपंच कड़ीकसा रामशिला कोरोटी, राशिद खान देवरी, राजकिरण मडावी सहित गांव के प्रतिष्ठित नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान कोरोना संक्रमण के नियमों के तहत सभी प्रतिबंधक उपाय योजनाओं का पालन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर ने क्षेत्र के नागरिकों से आव्हान किया कि वह नक्सलियों के बहकावे में न आए तथा शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन को सफल बनाएं। शासन के मुख्य प्रभाव में शामिल हो।

निर्माणाधीन महिला चिकित्सालय के गड्ढे बन सकते है मौत का कारण - पार्षद लोकेश यादव

गोंदिया के शासकीय महिला चिकित्सालय में निर्माण कार्य के लिए खोदे गए गड्ढे मौत के गड्ढे बन सकते हैं। बारिश के मौसम में उपरोक्त गड्ढों में पानी भर जाने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। जिस पर संबंधित अधिकारियों द्वारा तत्काल ध्यान देकर उचित कार्रवाई करने की मांग पार्षद लोकेश यादव ने की है।

गौरतलब है कि शासकीय महिला चिकित्सालय मे दवाई भंडार कक्ष के निर्माण का कार्य शुरु किया गया था। लेकिन उपरोक्त निर्माण कार्य में सिर्फ गड्ढे खोदकर रखा गया, लेकिन आगे का निर्माण शुरु नहीं हो पाया है। बारिश के इन दिनों में उपरोक्त गड्ढों में पानी भर जाने से चिकित्सालय में आने वाले मरीजों के परिजन कभी भी दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। साथ ही गत २ दिनों से महिला चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया गया है। जिससे नागरिक गड्ढों के पास स्थित उड़ान पुल की ओर निकलने वाले मार्ग का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिससे दुर्घटना की संभावना और अधिक बढ़ गई है। इस संदर्भ में जब पार्षद लोकेश (कल्लू) यादव को जानकारी मिली तो उन्होंने चिकित्सालय प्रबंधन व सार्वजनिक बांधकाम विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि इस ओर तत्काल ध्यान दिया जाए, जिससे भविष्य में होने वाली घटनाओं को रोका जा सके।

बांधकाम विभाग के अधिकारियों को दिया पत्र

महिला चिकित्सालय में दवाई भंडार कक्ष का निर्माण किया जा रहा है। लेकिन कोरोना के चलते निर्माण कार्य रुका हुआ था। इस संदर्भ में बांधकाम विभाग के अधिकारियों को दो-तीन बार पत्र दिया गया है। जिस पर उन्होंने बताया कि आगामी दो-तीन दिनों में कार्य शुरु किया जाएगा। साथ ही महिला चिकित्सालय के मुख्य दरवाजे पर ताला लगा होने से पुराने मुख्य मार्ग से आवागमन किया जा सकता है।

–डॉ.सागर सोनारे, वैद्यकीय अधीक्षक, महिला चिकित्सालय गोंदिया

टीबी व कुष्ठरोग जांच अभियान १ जुलाई से ३१ अक्टूबर तक

९५६ ग्रामों में १२४१ कर्मचारी करेंगे जांच

गोंदिया – समाज से टीबी व कुष्ठ रोग खत्म हो जिसका जांच अभियान महाराष्ट्र शासन के निर्णय अनुसार गोंदिया जिले में टीबी व कुष्ठ रोग तलाश अभियान १ जुलाई से ३१ अक्टूबर तक चलाया जाएगा। जिसमें जिले के ९५६ ग्रामों में १२४१ कर्मचारियों के माध्यम से १३ लाख ९४ हजार ११४ नागरिकों से भेंट कर जांच की जाएंगी।

गौरतलब है कि टीबी व कुष्ठ रोग संक्रमण को खत्म व कम करने के लिए विशेष अभियान प्रतिवर्ष चलाया जाता है। जिसमें स्वास्थ्य कर्मचारी व स्वयंसेवक नागरिकों के घरों में भेंट देकर, नए मरीजों को उपचार के लिए जनजागृति कर सामने लाएंगे। जिससे इस संक्रमण की श्रंखला को खंडित किया जा सके। राष्ट्रीय कुष्ठ रोग निर्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक स्थिति के नए तथा बिना किसी विकृति के कुष्ठ रोग के मरीजों की तलाश कर उनका निशुल्क उपचार किया जाता है। उपरोक्त अभियान के अंतर्गत इसकी श्रंखला को खंडित करना, इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। जिसमें जनजागृति के द्वारा टीबी के लक्षण जांच, उपचार की सुविधा दी जाती है तथा टीबी के मरीजों के लिए पोषण आहार योजना के अंतर्गत ५०० रुपये प्रतिमाह अनुदान दिया जाता है। साथ ही निशुल्क एक्सरे, थूक जांच, एमडीआर/एमडीआर एक्स जांच की सभी सुविधा शासकीय व निजी चिकित्सालय में उपलब्ध है।

जिले में टीबी रोग व कुष्ठ रोग सर्वेक्षण के लिए आशा कार्यकर्ता, स्वयंसेवक, आंगनवाड़ी सेविका आदि १२४१ कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। निरीक्षण के लिए २४८ पथक बनाए गए हैं। साथ ही कर्मचारियों को इसके लिए प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम शुरु है। जिले में संयुक्त रुप से सक्रिय कुष्ठ रोग व टीबी रोग शोध नियंत्रण अभियान २०२१-२२ को आजादी का अमृत महोत्सव के रुप में चलाया जा रहा है। कोरोना के आपातकाल में कुष्ठ रोग व टीबी रोग जांच उपचार करने का प्रमाण गत कुछ वर्षों की तुलना में कम हुआ है। समाज में कुष्ठ रोग व टीबी रोग को कम करने के लिए विशेष जांच अभियान १ जुलाई से ३१ अक्टूबर २०२१ इस समयावधि में चलाया जाएगा। इस प्रकार की जानकारी सहायक संचालक कुष्ठ रोग तथा जिला टीबी रोग अधिकारी डॉ.आर.जे. पराडकर ने दी है। उपरोक्त अभियान की सफलता के लिए जिले के सभी नागरिक सहयोग करें, ऐसा आवाहन जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीपकुमार डांगे ने किया है।

विज्ञान विषय के शिक्षक व उच्च श्रेणी मुख्य अध्यापकों के रिक्त पदों को भरने की मांग

प्राथमिक शिक्षक संघ ने शिक्षाणाधिकारी को दिया ज्ञापन

गोंदिया जिला परिषद के अंतर्गत आने वाली अनेक शालोंओ में उच्च श्रेणी मुख्याध्यापक व विज्ञान विषय के अनेक पद रिक्त हैं। जिससे मुख्य अध्यापकों के कार्य सहायक शिक्षकों को करना पड़ रहा है। जिस के रिक्त पदों को भरने की मांग महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघटना द्वारा निरंतर की जा रही है। इस संदर्भ में संघटना द्वारा शिक्षणाधिकारी राजकुमार हिवारे को निवेदन देकर की है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिला परिषद के अंतर्गत आने वाली अनेक शालाओं में मुख्य अध्यापकों व विज्ञान विषयों के शिक्षकों के पद रिक्त हैं। साथ ही शिक्षा विस्तार अधिकारी व केंद्र प्रमुख के भी रिक्त पदों को भरने की मांग के लिए प्राथमिक शिक्षक संघटना द्वारा निरंतर की जा रही है। इस संदर्भ में सामान्य प्रशासन को भी प्रस्ताव दिया गया है। साथ ही कोविड-१९ में वर्ष भर में जिले में करीब २० शिक्षकों की आकस्मिक मौत हुई है। जिसके सभी प्रकरण जल्द से जल्द हल करने बीमा सुरक्षा निधि देने की मांग करने के साथ ही प्रस्ताव शासन को भेजे जाने की मांग की। इसके साथ ही चयन श्रेणी व चट्टोपाध्याय वेतनश्रेणी के प्रस्ताव तत्काल मंजूर करने, सेवा पुस्तिका पंचायत समिति को वापस करने, सातवें वेतन आयोग की दूसरी व तीसरी किस्त देने, वर्ष २००९ के पश्चात सेवा में लगे शिक्षकों को स्थाई आदेश देने, सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों के प्रस्ताव ६ महीने के पूर्व जिप को मंजूरी के लिए भेजे जाने तथा शिक्षकों की बड़े हुए वेतन लागू करने आदि मांगों का ज्ञापन देकर चर्चा की गई। साथ ही जानकारी दी गई कि जिले में शुरु टीकाकरण अभियान के कैंप स्वास्थ्य केंद्र, उपकेंद्र व स्कूलों में भी लग रहे हैं। जिस पर जिले व गांव के नागरिक टीकाकरण करें तथा इसके लिए सभी शिक्षक कार्य कर रहे हैं। शत-प्रतिशत नागरिकों द्वारा टीकाकरण किया जाए, इसका प्रयास करने का आवाहन महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोंदिया जिला द्वारा किया गया है। इस अवसर पर एस.यु. वंजारी, आनंद पुंजे, डी.टी. कावडे, कृष्णा कापसे, डी.एस. ढबाले, एम.ओ. रंहागडाले, एन.बी. सुलाखे उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।